70

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता
उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग
देहरादून

पत्रांक:–66/भू0/लो0नि0/12/12 दिनांक: 20.7.2012

सेवा में,

अधिशासी अभियन्ता,
निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग,
बैजरो–पौड़ी गढ़वाल।

विषय:– मार्ग समरेखन की भूगर्भीय आख्या।

महोदय,

निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग, बैजरो से सम्बंधित नैखुली–देवराड़ी–कफलेख–कठूरखाल मोटर मार्ग विस्तार हेतु प्रस्तावित समरेखन को भूगर्भीय निरीक्षण आख्या सूचनार्थ एवं आगे की आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है।

(वांछित समरेखन प्रपत्र माह जुलाई 2012 में प्राप्त कराये गये है।)

संलग्नक–यथोपरि

H. Kumar 20.7.12
वरिष्ठ भूवैज्ञानिक

पत्रांक:– दिनांक:–

प्रतिलिपि :– कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, यातायात वर्ग, लोक निर्माण विभाग, देहरादून को आख्या की प्रति सहित सूचनार्थ प्रेषित।

वरिष्ठ भूवैज्ञानिक

Photo copy Attested

सहायक अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो0 नि0 वि0
बैजरो (गढ़वाल)

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता
उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग
देहरादून।

(भूगर्भीय आख्या)

आख्या संख्या 60/2486/12

जनपद पौड़ी गढ़वाल में नैखुली–देवराड़ी–कण्डलेख–कठूरखाल मोटर मार्ग के विस्तार हेतु प्रस्तावित सनरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

जुलाई 2012

जनपद पौड़ी गढ़वाल में मैखुली–देवराड़ी–कफलेख–कठुरखाल मोटर मार्ग के विस्तार हेतु प्रस्तावित सनरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

1. निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग बैजरो के अन्तर्गत 10.00 कि0मी0 लम्बाई में मैखुली–देवराड़ी –कफलेख–कठुरखाल विस्तार मोटर मार्ग का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग, बैजरो के अनुरोध पर प्रस्तावित समरेखन का अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 24.09. 2011 को सम्बंधित अपर सहायक अभियन्ता श्री अजीत गुसांई के साथ निरीक्षण किया गया।

2. राज्य योजना (मा0 मुख्य मंत्री घोषणा) के अन्तर्गत मैखुली–देवराड़ी –कफलेख–कठुरखाल मोटर मार्ग के विस्तार हेतु 10.00 कि0मी0 लम्बाई में मोटर मार्ग का निर्माण कार्य स्वीकृत है। मार्ग निर्माण हेतु खण्ड द्वारा दो समरेखनो पर प्रारम्भिक सर्वेक्षण किया गया है। सनरेखन संख्या दो के अनुसार मार्ग की लम्बाई एवं लागत बढ़ने के कारण खण्ड द्वारा समरेखन संख्या एक के अनुसार मार्ग के निर्माण का प्रस्ताव है। मैखुली–देवराड़ी –कफलेख–कठुरखाल मोटर मार्ग 6.00 कि0मी0 लम्बाई में पूर्व निर्मित है। प्रस्तावित समरेखन पूर्व निर्मित मार्ग के अंतिम बिन्दु से आगे आरम्भ होता है, तथा स्वीकृत 10.00 कि0मी0 लम्बाई पूर्ण कर समाप्त होता है। इस मार्ग से ग्राम सुन्दर गांव चौण्ड़ा, जैन्ती, डांग,ढैड़ा एवं स्यूंसा आदि लाभान्वित होगें। समरेखन में दो हेयर पिन बैण्ड्स दिये गये है, जो क्रमशः क्रास सैक्शन 7/30, एवं 8/32 में दिये गये है। अवगत कराया गया कि सनरेखन अधिकांश भाग में नाप एवं सिविल वनभूमि से होकर गुजरता है। मार्ग निर्माण हेतु तीन गदेरो पर लघु सेतु अथवा काजवे की आवश्यकता होगी। सनरेखन क्षेत्र में अल्मोड़ा ग्रुप की नीस एवं शिस्ट चट्टाने है तथा स्थान–स्थान पर इनकेल्मर मिट्टी/डेब्री का ओवरबर्डन है।

3. समरेखन क्षेत्र की भूगर्भीय स्थिति, भू–आकृति एवं उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुये निम्न सुझाव दिये जा रहे है, जिन्हें प्रस्तावित मार्ग निर्माण में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।

(क) यथा सम्भव मार्ग की पूरी चौडाई कटान करके प्राप्त की जाये। यह भविष्य में मार्ग की स्थिरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जहां रिटेनिंग दीवार का निर्माण अपरिहार्य हो वहां इनका निर्माण फर्म स्ट्रेटा पर समुचित परिकल्पना के आधार पर कराया जायें।

(ख) यह सुनिश्चित किया जाये कि समरेखन में प्रस्तावित हेयर पिन बैण्ड कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में बनाये जाये।

(ग) सनरेखन के समीप स्थित घरों से सुरक्षित दूरी रखते हुये बिना विस्फोटकों का प्रयोग किये मार्ग कटान किया जाये।

(घ) समरेखन में अपेक्षाकृत तीव्र पहाडी ढलान वाले भाग में सावधानीपूर्वक मार्ग कटान किया जाये जिससे कोई अस्थिरता न हो।

(ङ) जहाँ मार्ग कटान की ऊंचाई अधिक हो और स्ट्रेटा कमजोर हो, उस भाग में मार्ग कटान के साथ–साथ समुचित ब्रेस्ट वाल का निर्माण कराया जाये,जिससे किसी प्रकार की अस्थिरता उत्पन्न न हो।

(च) जहाँ आवश्यक हो, मार्ग से ऊपर व नीचे पहाड़ी ढलान पर समुचित पौधा का रोपण किया जाये, जिससे ढलानों पर भूक्षरण की प्रक्रिया को नियंत्रित रखा जा सके।

(छ) वर्षा के पानी की समुचित निकासी हेतु रोडसाईड ड्रेन एवं स्कपर का प्रावधान किया जाये। यह भी सुनिश्चित किया जाये कि स्कपर के पानी से भूक्षरण न हो।

(ज) पर्वतीय क्षेत्र में मार्ग निर्माण के लिये निर्धारित सिविल अभियांत्रिकी के अन्य मानकों एवं विशिष्टियों का भी पालन किया जाये।

4. मार्ग के नव निर्माण विषयक स्थायित्व सम्बंधी बिन्दु:-

(i) मार्ग कटान के पश्चात हिल साईड में जिस स्थान पर over burden material होगा तथा पहाड़ी ढलान slope forming material के angle of repose से अधिक होगा उस भाग में वर्षाकाल में पहाड़ी ढलान के अस्थिर होने की सम्भावना हो सकती है।

5. मैखुली–देवराड़ी –कफलेख–कदुरखाल मोटर मार्ग के विस्तार हेतु 10.00 कि0मी0 लम्बाई का प्रस्तावित समरेखन वर्तमान परिस्थितियों में उपरोक्त सुझावों के साथ मार्ग निर्माण के लिये उपयुक्त प्रतीत होता है। इस हेतु प्रस्तावित भूमि भूगर्भीय दृष्टि से उपयुक्त है।

<u>टिप्पणी:-</u>

(1) भूमि हस्तांतरण की दृष्टि से समरेखन क्षेत्र में किये गये निरीक्षण एवं खण्ड द्वारा उपलब्ध कराये गये सर्वेक्षण विवरण के आधार पर यह एक जनरलाइज्ड आख्या है। मार्ग कटान के पश्चात स्थिति में परिवर्तन भी सम्भव है। समरेखन/मार्ग पर किसी विशिष्ट बिन्दु पर यदि सुझाव की आवश्यकता हो तो उसे ऊलग से अवगत कराया जाए।

(2) मुख्य अभियन्ता, स्तर–1, लो0नि0वि0, देहरादून द्वारा समस्त अधीक्षण अभियन्ताओं को मार्गों के निर्माण एवं समरेखन निर्धारण के सम्बन्ध में प्रेषित पत्रांक 7272/8(i)यातः0–उ0/05 दि0 16.11.2005 में दिये गये निर्देशों का भी अनुपालन किया जाये।

Photo copy attested

(हस्ताक्षर)

सहायक अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो0 नि0 वि0
पैठाणी (गढ़वाल)

H. Kumar
20.7.12
वरिष्ठ भूवैज्ञानिक
कार्यालय मुख्य अभि0 स्तर-1
लो0नि0वि0, उत्तराखण्ड
देहरादून